ISSN 0972-5539

मीना समाचार
MEENA News

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का प्रकाशन A PUBLICATION OF FISHERY SURVEY OF INDIA

खंड 27 संख्या 3 VOL. XXVII No. 3 मुंबई Mumbai जुलाई-सितम्बर/July-Sept. 2010

I. अनुसंधान :

भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में एलिपीसारस फेराक्स, लम्बी नाक लैन्सेटमछली का वितरण :-

भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के जलयानों द्वारा संचालित सर्वेक्षण से यह प्रदर्शित होता है कि लम्बी नाक लैन्सेटमछली, एलिपीसारस फेराक्स लोवे, 1833 अरब सागर के अक्षांश 17° उ के दक्षिणी क्षेत्रों से अधिकांशतः अण्डमान व निकोबार व बंगाल की खाडी से पकडी गई। इस प्रजाति का वितरण भारतीय प्रायाद्वीप के आसपास के जलों में सम्भवतः महासागरीय धाराओं सहित आक्सीजन व लवणता प्रणाली द्वारा नियंत्रित होता है।

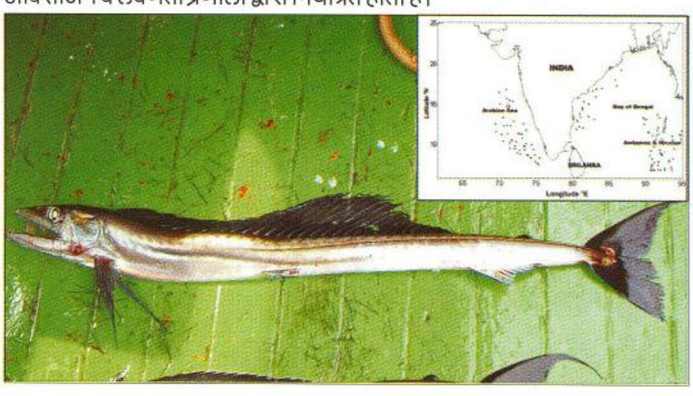

एम.एफ.वी मत्स्य द्रष्टि जलयान पर पकडी गई लम्बी नाक लैन्सेटमछली, एलिपीसारस फेराक्स, लोवे, 1833 इनसेट : भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में प्रजाति का वितरण

II. बर्हिगमन और प्रशिक्षण

तमिलनाडु के निचले पूर्वीतट की समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों पर क्षेत्रीय कार्यशाला व प्रदर्शनी का चेन्नई बेस द्वारा दिनांक 27 सितम्बर 2010 को मात्स्यिकी प्रशिक्षण केन्द्र, कराईकल, पाडीचरी पर पाडिचेरी राज्य मात्स्यिकी विभाग के सहयोग से स्थानीय मछुआरो के हितो के लिए आयोजित किया गया। कुल 122 मछुआरों व मछुआरिनों ने कार्यशाला में भाग लिये।

आंध्र प्रदेश से मछुआरो का समूह, दिनांक 11 -30 अगस्त 2010 के दौरान टूना लॉग लाइनिंग की नवीनतम तकनीकी विषय पर जलयान मत्स्य द्रष्टि पर प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण, राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड के वित्तीय सहायता से प्रदान किया गया। दिनांक 10 - 29 सितम्बर 2010 के दौरान केरल के तीन मछुआरों के समूह को जलयान मत्स्य द्रष्टि पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

III. शैक्षणिक उपलब्धिया

श्री सिजो पी वर्गीस, वरि. वैज्ञानिक सहायक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण [मुख्यालय] मुम्बई को दिनांक 9 सितम्बर 2010 को मुम्बईविश्वविद्यालय द्वारा उनके शोध ग्रन्थ शीर्षक "भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के पश्चिमी तट में बडे परमक्षी मछलियों का पोषण पारिस्थितिकी" विषय पर पी.एच डी डिग्री प्रदान किया। श्री वर्गीस ने डॉ. वी.एस. सोमवंशी, पूर्वमहानिदेशक, भा.मा.स के मार्गदर्शन में कार्य किया।

इन्होंने भोजन मात्रा, उपयोग दरे, भोज्य स्तरों, शार्क, रे, टूना व बिल मछलियों की भोज्य विभेदता का अध्ययन किया और अरब सागर के अन्य बडें परभक्षियों पर प्रकाश डालते हुए अनजान क्षेत्र महासागरी व खाद्य जाल पर अध्ययन किया ।

IV. भा.मा.स की प्रचालन व वैज्ञानिक क्रियाकलापों की अद्धवार्षिक समीक्षा

अद्धवार्षिक समीक्षा बैठक, दिनांक 17 -18 सितम्बर 2012 के दौरान भा.मा.स के चेन्नई बेस में भा.मा.स. की प्रचालन व वैज्ञानिक क्रियाकलापों की समीक्षा के लिए बैठक आयोजित की गई। सभी बेसों के कार्यालय प्रमुखो व अभियन्ताओं ने बैठक में भाग लिए। डॉ के विजयकुमारन, महानिदेशक ने बैठक की अध्यक्षता की। उन्होने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और संसाधन सर्वेक्षण कार्यक्रमों के बारे में संक्षिप्त प्रकाश डालते हुए अधिकतम वैज्ञानिक भागीदारियों के लिए बेसो से उचित प्रयासों के लिए अनुरोध किया।

उन्होंने कहा कि भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण से वैज्ञानिकों को वैज्ञानिक विधियों व लेखन विषय पर कोच्चि में हालही में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में आकडा विश्लेषण, लेखन और वैज्ञानिक शोधपत्र / लोकप्रिय लेखो को प्रतिष्ठित समकक्ष समीक्षात्मक पत्रिका में प्रकाशन हेतु प्रशिक्षित हुए है। अध्यक्ष महोदय ने बेस अधिकारियों को सुझावित किया कि सक्षमता निर्माण के अन्तर्गत संस्थान के कर्मचारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु आवश्यक रुपरेखा बनाकरके प्रस्तुत करे और यह भी कहा कि भा.मा.स को सक्षमता निर्माण कार्यक्रमों और वैज्ञानिक परियोजनाओ को सुचार रुप से लागू करने हेतु विभिन्न संगठनों जैसे सी.एम.एफ. आर. आई. सी. आई.एफ.टी और एन.एफ.डी बी इत्यादि से सहयोग रखना होगा। अध्यक्ष महोदय ने लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु सकारात्मक सोच की आवश्यकता अपनाने पर जोर दिया।

बाद में, उ.म.नि [मा] ने वैज्ञानिक समीक्षा प्रारंभ किया। मात्स्यिकी संस्थान सर्वेक्षण कार्यक्रम 2010 के आधार पर सर्वेक्षण जलयानों का मात्रात्मक व गुणात्मक निष्पादनों की समीक्षा किया। बेस अधिकारियों से जलयानों पर अप्रतिभागी वैज्ञानिक मार्मुगोवा बेस में जलयानों के ठहराव की समस्या मत्स्य सुगंधी की प्रचालन नही करना, सर्वेक्षण कार्यक्रम में परिवर्तन,एचएसडी तेल की मंजुरी, इकोसाउन्डर स्थापित इत्यादि नाजुक समस्याओं को पूर्ण करने के सम्बन्ध में पूछताछ किया। विभिन्न बेसो द्वारा किये गये जैविक अध्ययनों के बारे मे भी समीक्षा किया और मात्स्यिकी संसाधनों के प्रबन्ध हेतु संकटकालीन आकडों के संग्रह के महत्व के बारे में वैज्ञानिकों को याद दिलाया। इसी को विस्तारित करते हुए, लेखा, कार्यालयी प्रशासन से सम्बन्धित मामलों, सर्वेक्षण पोतो के रखरखाव पर चर्चाए हुई।

IV सर्वेक्षण उपलब्धियों का प्रसार

- चेन्नई बेस ने अप्रैल - जुन 2010 [द्विभाषी] तिमाही के लिए संसाधन सूचना अंकावली प्रकाशित की।
- विशाखापटटनम बेस ने जुलाई - सितम्बर [द्विभाषी] तिमाही के लिए संसाधन सूचना अंकावली प्रकाशित की।

V. प्रशिक्षणों/संगोष्ठियों में भागीदारी

- सर्वश्री एस.के द्विवेदी, वरि.वैज्ञानिक सहायक [मुम्बई मुख्यालय] एस.के.पटनायक, वरि.वैज्ञानिक सहायक [विशाखापट्टनम बेस] और पूरन सिंह, वरि.वैज्ञानिक सहायक [मार्मुगोवा बेस] ने 17 - 27 अगस्त 2010 के दौरान एनएआरएम, हैदराबाद में संपोषित आजीविका सुरक्षा हेतु जियोस्पेशियल ज्ञान प्रबन्ध विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिये।

- सर्वश्री ए. शिवा [विशाखापट्टनम बेस], जी.वी.ए.प्रसाद और सी.बाबू [चेन्नई बेस], अशोक.एस.कदम, सिजो.पी.वर्गीस, एम.के.सजीवन, किरन माली व सुश्री राजश्री बी.सनदी [मुम्बई मुख्यालय], डी.ई.यूके और एस जी पटवारी, [मुम्बई बेस], एस.डी.प्रदीप [पोर्टब्लेयर बेस], एन.उन्निकृष्णनन और वाय.थारूमार [मार्मुगोवा बेस], जे.ई.प्रभाकरराज, जैक़ब थामस और डॉ. एस. रामचन्द्रन [कोच्चि बेस] ने 5 - 10 जुलाई 2010 के दौरान, भा.म.स.द्वारा आयोजित, सिफनेट कोच्चि में वैज्ञानिक विधियों व लेखन विषय पर प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिये।

- श्री प्रेमचन्द, उप.म.निदेशक [मा], भा.मा.स., मुम्बई मे अन्तर विभाग समिति बैठक में विशाखापट्टनम बेस कार्यालय के संगोष्ठी कक्ष मे भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के लिए द्वय मिडवाटर ट्रलर्स व सिफनेट के लिए एक मात्स्यिकी प्रशिक्षण जलयान को पटटे पर खरीदने के सम्बन्ध मे भाग लिये।

- सर्वश्री ए.टिबुरसियस,व.मा.वै. विनोद कुमार, क.मा.वै, आर.वी.जॉन, प्रारुपकार [मुम्बई मुख्यालय], एन.जगन्नाथ, ,क.मा.वै, [विशाखापट्टनम बेस] ने दिनांक 9 -12 जुलाई 2010 के दौरान भारतीय मत्स्य महोत्सव [इनफिश 2010] राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड, पाशुपालन, डेयरी व मात्स्यिकी विभाग, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार और आन्ध्र प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित पीपुल प्लाजा नेकलेस रोड, हैदराबाद में भाग लिये।

- श्री . आशीष कुमार खरे, कनि. हिन्दी अनुवादक ने पाँच दिवसीय गहन हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली में भाग लिए।

- डॉ.एस.के.नाइक,वरि.मा.वै. व के. एस.एन.रेड्डी, मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकी ने क्षेत्रीय तकनीकी प्रबन्ध बिजेनस योजना व विकास यूनिट, दक्षिण जोन, सी आई.एफ.टी, कोच्चिन व एन एफ डी बी, हैदराबाद द्वारा आयोजित मात्स्यिकी में उद्योग के सम्मिलित होने के लिए अभिनव विषय पर कार्यशाला मे होटल दशपल्ला, विशाखापटटनम में भाग लिये।

- श्रीमती के,के, अम्बिका, कार्यालय अधिक्षिका व श्री अमल कृष्ण हल्दर, प्रवर श्रेणी क्लर्क [मार्मुगोवा बेस] ने दिनांक 9 -13 अगस्त 2010 के दौरान क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र, मुम्बई में 6 वें वेतन आयोग के अन्तर्गत विभिन्न नियमों में बदलाव पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिय।

- सर्वश्री टी.एल.मुरलीधरन, कार्यालय अधिक्षक,एन.एस.मदलानी, प्रवर श्रेणी क्लर्क [मुम्बई मुख्यालय] और विनोद जी.नाइक, प्रवर श्रेणी क्लर्क [मार्मुगोवा बेस] ने दिनांक 20 से 21 सितम्बर 2010 तक क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र, मुम्बई में पेशन नियमों व अन्य लाभों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिय।

- डॉ.एम.ई जॉन,क्षेत्रीय निदेशक,मार्मुगोवा बेस व श्री पी.सी.राव [एफएसआई, मुख्यालय] ने सी.एम.एफ.आर.आई कोच्चि में आयोजित चौथी व पाँचवी भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभाव्य उपज की पुर्न वैधता के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक दिनांक 12 - 13 अगस्त 2010 व 5 - 7 सितम्बर 2010 में भाग लिये।

- डॉ ए.के.भार्गव,वरि.मा.वै. व श्री राजू एस.नागपूरे, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, मार्मुगोवा बेस ने आईसीए.आर. अनुसंधान काम्पलेक्स, गोवा में दिनांक 4 सितम्बर 2010 को पारिस्थितिक व जैवविविधता भावी गोवा विषय पर संगोष्ठी में भाग लिये।

भारतीय मत्स्य महोत्सव - 2010 में भागीदारी

भा.मा.सं. मुम्बई ने राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड पशुपालन डेयरी व मात्स्यिकी, कृषि मंत्रालय, हैदराबाद आयोजित, भारतीय मत्स्य महोत्सव, 2010 में दिनांक 9 - 12 जुलाई 2010 के दौरान भाग लिया। स्टॉल पर मत्स्यन नावों के माडल्स व गियरो और सर्वेक्षण कार्यक्रम पर चार्टो, सर्वेक्षण पोतो, मत्स्यन विधियों, मात्स्यिकी संसाधनों इत्यादि प्रदर्शित किया । इसके अलावा, विभिन्न संस्थानों, विभागों जैसे सी.आई.एफ.ई,सी.आई.एफ.टी,सी.एम.एफ आर. आई. राज्य मात्स्यिकी विभागों, भारत सरकार के विभागों के अधिकारीगण व आन्ध्र प्रदेश के अतिथियों ने भी भा.मा.स के मण्डप में पधारे। प्रदर्शित सामग्रिया, किसानों, अध्यापको, अधिशाषी, वैज्ञानिको व सामान्य जनता के लिए लोकप्रिय व लुभावना था। भारतीय मत्स्य महोत्सव - 2010 का शुभारम्भ भारतीय कृषि मंत्री श्री शरद पवार द्वारा किया गया।

वैज्ञानिक विधियों व लेखन पर प्रशिक्षण कार्यशाला

भा.मा.स., मुम्बई ने वैज्ञानिक विधियों व लेखन पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन दिनांक 5 -10 जुलाई 2010 के दौरान सिफनेट, कोच्चि में संस्थान के सर्वागीण क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तहत आयोजित किया। डॉ.ई.जी.सिलास, केरल कृषि विश्वविद्यालय के भूतपूर्व कुलपति ने दिनांक 4 जुलाई, 2010 को सिफनेट के सम्मेलन कक्ष में शुभारभ किया। डॉ.के.विजयकुमारन,महानिदेशक, भा.मा.स.ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यशाला में अनुसंधानकर्त्ताओं, विशेषज्ञो, प्रशिक्षणार्थियों व कर्मचारीगण इत्यादि ने भाग लिये।

अपने स्वागत भाषण के सम्बोधन में, डॉ.विजयकुमारन ने कहा कि वैज्ञानिक अधतन कार्यशाला का उद्देश्य भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण व अन्य सम्बद्ध संस्थानों के युवा पीढी से गुणवत्तापूर्ण वैज्ञानिक परिणामों को सुनिश्चित कराना था। वैज्ञानिक विधि व लेखन पर प्रशिक्षण कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आधारीभूत दर्शन व वैज्ञानिक विधियो, प्रयोगों का डिजाइन, नमूनाकरण व हाइपोथेसिस का निर्माण करना, आँकडे विश्लेषण के औजारो का परिचय और जाँच परख करना, हस्तलिपि मे सुधार इत्यादि पर प्रकाश डालना था। सी.एम.एफ.आर.आइ,सी.आई.एफ.टी, कुसैट, एन.आई.ओ, आई. आई.ऐस.आर, निसकैवर व मात्स्यिकी कालेज, पंनंगड से 24 विशेषज्ञो से कोर संकाय बनाये गये थे और नौ माड्यूल्स में विषयो को आयोजित किया था। कुल 22 अनुसंधानकर्त्ताओ, जिसमें से 15 प्रतिभागी, भा.मा.स. के मुख्यालय व 6 बेस कार्यालयों से और पाँच अन्य संम्बद्ध संगठनों जैसे कि पशुपालन डेयरी व मात्स्यिकी विभाग, कृषि मंत्रालय और दो अनुसंधान छात्रों ने भी प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिये।

डॉ.के.विजयकुमारन,महानिदेशक, भा.मा.स. व पाठ्यक्रम निदेशक ने सफलतापूर्वक कार्यक्रम के पूरा होने के लिए बधाई दिये और सभी से अनुरोध किया कि प्राप्त ज्ञान को अपने अनुसंधान व लेखन कैरियर में उपयोग करे और उन्होंने यह आश्वासन दिया कि भा.मा.स. विभिन्न विषयों पर समानान्तर कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें।

शुभारंभ महोत्सव

भा.मा.स. (मुख्यालय) के सहयोग से मार्मुगोवा बेस ने अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता वर्ष का शुभारंभ दिनांक 13 जुलाई 2010 को अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र दोना पावला, गोवा में आयोजित किया । प्रो. पी. बी. देसाई, डीन. पर्यावरण व जीवविज्ञान विभाग गोवा विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि और श्री.एस.सी. वेनेकर, मात्स्यिकी निदेशक गोवा सरकार सम्माननीय अतिथि थे ।डॉ. के. विजयकुमारन, महानिदेशक, भा.मा.स. मुम्बई ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की ।

इस अवसर पर सपोषित विकास हेतु जैवविविधता बचाओं विषय पर एक पोस्टर का विमोचन किया गया। कृषि मंत्रालय, पशुपालन डेयरी व मात्स्यिकी विभाग, नई दिल्ली, निदेशक आई ए एल आर आई, नई दिल्ली, मात्स्यिकी निदेशक, अंडमान एवं निकोबार द्वीप, मात्स्यिकी विभाग, गोवा, महाराष्ट्र एवं यू पी, गोवा विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य एवं एन सी आई एफ आर आई, बेरकपूर, आई सी ए आर कोप्लेक्स गोवा एवं भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के वैज्ञानिक सहित लगभग 50 प्रतिभागियों ने समारोह में उपस्थित हुए।

VI बैठकों/संगोष्ठियों में वैज्ञानिकों की भागीदारी

- डॉ.के. विजयकुमारन, महानिदेशक, ने निम्न कार्यक्रमों में भाग लिया।

वैज्ञानिक प्रणालियों एवं लेखन पर प्रशिक्षण कार्यशाला 5-10 जुलाई 2010 के दौरान सिफनेट, कोच्चि में।

- एन.एफ.डी.बी, हैदराबाद में 8 जुलाई 2010 को टूना-फिश मेला 2010 के उद्घाटन समारोह में।
- गोवा में 13 जुलाई 2010 को मात्स्यिकी सेक्टर के लिए आंकड़ा बेस एवं जी आई एस को सुदृढ करने की योजना में।
- क्षेत्रीय निदेशक, पोर्टब्लेयर बेस एवं डॉ.बीना कुमारी, एस ए सी के साथ अंडमान एवं निकोबार समुद्र में टूना संसाधन एवं एस ए सी सहयोग के संबंध में 20 -21 जुलाई 2010 के दौरान चर्चा।
- भा.मा.स. कर्मचारियों के लिए टाइप III एवं टाइप VI के निर्माण कार्य एवं भू-जल पंप के निर्माण का 15 -21 जुलाई 2010 के दौरान निरीक्षण किया।
- सी आर वी पाई - ई ई जेड हेतु टूना प्रलेख की तैयारी एवं बॉबलम पारियोजना के लिए मैकरेल पर सूचना संग्रहण हेतु 6 - 7 अगस्त 2010 के दौरान बैठक में भाग लिए।
- सी एम एफ आर आई कोच्चि में 12 अगस्त 2010 को महासागरीय स्क्विड्स पर एन ए आई पी परियोजना के संबंध में बैठक
- निदेशक, सी एम एफ आर आई के साथ 12 अगस्त 2010 को कोच्चि में बी ओ बी पी सदस्य राष्ट्रों के लिए स्टॉक निर्धारण प्रशिक्षण पर प्रशिक्षण में
- भारतीय अन्य आर्थिक क्षेत्र [सी आर पी वाई - अनन्य आर्थिक क्षेत्र] में समान्य मात्स्यिकी संसाधनों के पुनर्वैधीकरण हेतु विशेषज्ञ समिति की चौथी बैठक में 12 -13 अगस्त 2010 को सी एम एफ आर आई, कोच्चि में।
- सी एस एल कोच्चि में 13 अगस्त 2010 को जलयान के सी एस एल निरीक्षण के साथ चर्चा।
- गहन समुद्री मत्स्यन जलयान अर्जन हेतु मत्स्यफेड की बैठक 17 अगस्त 2010 को कोच्चि में।
- बॉबलम पारियोजना के सीमा पार निदान सूचक विश्लेषण [टी डी ए] परामर्श योजना कार्यशाला 24 -25 अगस्त 2010 के दौरान बैंकाक, थाइलैंड में।
- श्रम एवं योजना मंत्रालय, पशुपालन, डेयरी एवं मात्स्यिकी तथा आई एल ओ के साथ संयुक्त सहयोग में सभी पणधारियों के साथ मत्स्यन सेक्टर सम्मेलन कार्य पर दो दिवसीय प्रांरभिक कार्यशाला 31 अगस्त 2010 एव 1 सितम्बर 2010 कां होटलआब्दा प्लाझा, कोच्चि, में।
- भारतीय अन्य आर्थिक क्षेत्र [सी आर पी वाई - ई ई जेड] के संभाव्य उपज के पुनःवैधिकरण हेतु समिति की अंतिम बैठक सी एम एफ आर आई, कोच्चि में 6 -7 सितम्बर 2010 को
- भा.मा.स की प्रचालन एवं वैज्ञानिक कार्यकलापों [रोसा] की अर्ध वार्षिक समीक्षा बैठकों 17 - 18 सितम्बर 2010 को चैन्नई बेस में।
- सी आई सी नोटिल नं. सी आई सी [एस एस / 9/2010/000342 दिनांक 6 सितम्बर 2010 के अनुसार केन्द्रीय सूचना आयोग, नई दिल्ली की सुनवाई।

VII राज भाष कार्यान्वयन

हिन्दी दिवस एवं हिन्दी पखवाडा समारोह

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण [मुख्यालय] ने 14 सितम्बर 2010 को हिन्दी दिवस एवं हिन्दी पखवाडा 14 सितम्बर 2010 से 28 सितम्बर 2010 तक आयोजित किया। हिन्दी दिवस का उद्घाटन समारोह डॉ के. विजयकुमारन, महानिदेशक की अध्यक्षता में हुई। डॉ. के.विजयकुमारन ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारी से हिन्दी पखवाडे के दौरान आयोजित की जाने वाली सभी प्रतियोगिताओं में भाग लेने व हिन्दी में अधिक से अधिक कार्य करने के लिए अनुरोध किया। श्री प्रेमचन्द, उप महानिदेशक [मा] ने इस अवसर पर माननीय गृह मंत्री श्री पी चिदम्बरम द्वारा जारी अपील को पढ़ा अपील के जरिए माननीय गृह मंत्री ने कर्मचारियों से हिन्दी में अधिकतम कार्य करने के लिए संकल्प लेने को कहा।

हिन्दी पखवाडे के दौरान, निम्नलिखित मुदों पर [1] हिन्दी निबंघ लेखन [2] हिन्दी पारिभाषिक शब्दावाली [3] हिन्दी कविता लेखन [4] हिन्दी श्रुतलेखन [5] हिन्दी कविता पाठ [6] सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तर में यह प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कुल तीस कर्मचारी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

हिन्दी पखवाडे का समापन समारोह 28 सितंबर 2010 को भा.मा.स [मुख्यालय] में सपन्न हुआ और इसकी अध्यक्षता डॉ के. विजयकुमारन, महानिदेशक ने की। समारोह श्री एल.के. राव, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के स्वागत व भाषण से शुरू हुआ, इसके बाद हिन्दी कविता पाठ का संचालन किया गया तथा सात कर्मचारियों ने भाग लिया। श्री किरन सिंह, सहायक निदेशक, हिन्दी शिक्षण योजना, नवी मुम्बई समापन समारोह के मुख्य अतिथि रहे। डॉ के. विजयकुमारन ने कर्मचारी सदस्यों द्वारा प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता के लिए अन्यंत हर्ष प्रकट किया। मुख्य अतिथि श्री किरन सिंह नें हिन्दी के विकास हेतु योगदान करने के लिए सभी कर्मचारी सदस्यों से अनुरोध किया।

हिन्दी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत वित्त वर्ष 2009 - 2010 के दौरान फाईलों में हिन्दी टिप्पणी एवं मसौदा लेखन तथा हिन्दी में किए गए अन्य कार्य के आधार पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कार दिए गए। इस प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत दो प्रथम पुरस्कार दिए गए, 2 द्वितीय पुरस्कार, 5 तृतीय पुरस्कार पात्र उम्मीदवारों को दिए गए। मुख्य अतिथि ने उपर्युक्त स्कीम के विजेताओं को तथा विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम का समन्वयन श्री एल.के.राव, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी द्वारा श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, क.हिन्दी अनुवादक की सहायता से किया गया। सराहना के प्रमाण स्वरूप श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, क.हिन्दी अनुवादक को एक स्मृतिचिन्ह प्रदान किया गया। श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव का धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

हिन्दी कार्यशाला

कर्मचारीयों को हिन्दी में काम करने हेतु सहायता करने एवं प्रोत्साहन देने हेतु 21 सितंबर 2010 को एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय मानक देवनागरी लिपि मानक वर्तनी एवं व्याकरण था। उक्त विषय पर डॉ सुनीता यादव, सहायक निदेशक, हिन्दी शिक्षण योजना ने व्याख्यान दिया। बीस कर्मचारियों ने कार्यशाला में भाग लिया।

हिन्दी टंकण में प्रशिक्षण

श्री विशाल के.खरात, एल.डी.सी अगस्त 2010 में हिन्दी शिक्षण योजना के अधीन 95% अंक के साथ हिन्दी टंकण परीक्षा उत्तीर्ण हुई। उनको रू 800/- नकद पुरस्कार एवं 12 माह के लिए वैयक्तिक वेतन प्राप्त हुआ।

राजभाषा प्रश्नमंच में भागीदारी

श्री अशोक कदम, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक एवं श्रीमती सुनीता एन मोटवानी, क, आशुलिपि ग्रेड - II ने पश्चिम रेल्वे मुख्यालय, चर्चगेट, मुम्बई में 27 अगस्त 2010 को संपन्न राजभाषा प्रश्नमंच में भाग लिया।

हिन्दी में कार्य करने हेतु प्रोत्साहन योजना।

हिन्दी में मूल काम करने हेतु राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रारंभित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत इस उद्देश्य के लिए गठित निर्धारण समिति के सिफारिशानुसार वर्ष 2009 -2010 के लिए निम्नलिखित कर्मचारियों को नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।

1] प्रथम पुरस्कार / 2 पुरस्कार रू 800/- नकद

   1. श्रीमती सुनीता मोटवानी, क. आशुलिपि ग्रेड।
   2. डॉ शैलेन्द्र कुमार द्विवेदी, व. वैज्ञानिक सहायक

2] द्वितीय पुरस्कार [दो पुरस्कार] रू 400/- नकद

   1. श्री शुभ्रजित दास, क. आशुलिपि ग्रेड III
   2. श्री. डी के पंडया, प्रवर श्रेणी लिपिक

3] तृतीय पुरस्कार [5 पुरस्कार] रू 300/-

1. श्री अशोक कदम, क.मात्स्यिकी वैज्ञानिक
2. श्री विनोद कुमार, क.मात्स्यिकी वैज्ञानिक
3. श्री संजीव कुमार सिंह, क. आशुलिपि ग्रेड III
4. श्री थुले गोपाल वासुदेव, प्रवर श्रेणी लिपिक
5. श्री एस सी बाला, अवर श्रेणी लिपिक

डॉ एस के नाईक, व.मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 30 अगस्त 2010 को स्टील प्लांट विशाखपट्टणम के एच आर डी के सम्मेलन कक्ष में संपन्न कार्यशाला में हिन्दी का प्रयोग पर एक संगोष्ठी में भाग लिया।

श्री के एस एन रेडडी, मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद् एवं श्री बी के सिंह, हिन्दी टंकक ने 18 सिंतबर 2010 को सी एम एफ आर आई, विशाखपट्टणम में संपन्न हिन्दी पखवाडा समापन समारोह में भाग लिया।

विशाखपट्टणम बेस कार्यशाला में 22 सिंतबर 2010 को हिन्दी पखवाडे का समापन समारोह हुआ। श्री मन्नानारायण, सहायक निदेशक [राजभाषा] हिन्दी कक्ष, आयकर विभाग, विशाखपट्टणम मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर एक भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त हिन्दी टिप्पणी एवं मसौदा लेखन तथा कर्मचारी सदस्यों के बच्चों के लिए कहानी बोलने एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। विजेतओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

विशाखपट्टणम में कार्यशाला

विशाखपट्टणम बेस में 27 सितंबर 2010 को एक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री शरत चन्द्र झा, सहायक निदेशक, हिन्दी शिक्षण योजना, गृह मंत्रालय, विशाखपट्टणम ने कार्यालय में हिन्दी का प्रयोग के संबंध में व्याख्यान दिया।

चेन्नई में कार्यशाला

बेस कार्यालय के कर्मचारियों के हित के लिए 30 अगस्त 2010 को भा मा स का चेन्नई बेस में एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री कोमल सिंह चौधरी, सहायक निदेशक, हिन्दी शिक्षण योजना,चेन्नई ने कार्यशाला के दौरान व्याख्यान दिया। चेन्नई बेस में 14 सितंबर 2010 को हिन्दी दिवस तथा 14 - 28 सितंबर 2010 तक हिन्दी पखवाडा का आयोजन किया गया।

गोवा में राजभाषा कार्यक्रम

गोवा बेस में 14 - 28 सितंबर 2010 तक हिन्दी पखवाडा का आयोजन किया गया। डॉ वी.पी.शर्मा, प्रिंसिपल, केन्द्रीय विद्यालय नं. 1, वास्को मुख्य अतिथि रहे तथा डॉ एम.ई.जॉन, क्षेत्रीय निदेशक, गोवा बेस ने समारोह की अध्यक्षता की। हिन्दी दिवस पर माननीय गृह मंत्री का संदेश हिन्दी अनुवादक ने पढ़ा । हिन्दी में समाचार वाचन पर एक प्रतियोगिता इस अवसर पर आयोजित की गई। कर्मचारी सदस्यों के बच्चों ने गाना गाया एवं कविता पाठ किया। पन्द्रह दिन के कार्यक्रम के दौरान विविध हिन्दी प्रतियोगिताएं संचालित की गई जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारी सदस्यों ने भाग लिया। 28 सितंबर 2010 को संपन्न समापन समारोह के साथ पखवाडा समाप्त हुआ। लेफ्ट कर्नल टी एम.शर्मा, अतिरिक्त महानिदेशक [प्रशासन], गोवा शिपयार्ड लि. वास्को तथा श्री राजेन्द्र सिंह, हिन्दी अधिकारी, एम पी टी को क्रमशः मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में आमंत्रित किए गए, हिन्दी गृह पत्रिका मत्स्य कीर्ति का दूसरा अंक का विमोचन भी किया गया। श्री राजू एस.नागपूरे, व.वैज्ञानिक सहायक ने धन्यवाद प्रस्ताव किया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही समीक्षा बैठक 27 जुलाई 2010 को हुई। जिसमें अधिकारियों एवं अनुभाग प्रमुख उपस्थित हुए। बैठक में तिमाही की प्रगति एवं चालू तिमाही के लिए प्रस्तावित कायक्रम की चर्चा की गई।

राजभाषा निरीक्षण

श्री वी.के.जैन, उप सचिव [जी सी & पी] कृषि मंत्रालय, पशुपालन, डेयरी एवं मात्स्यिकी, नई दिल्ली ने गोवा बेस में 25 सिंतबर 2010 का राजभाषा कार्यान्वयन प्रगति का निरीक्षण किया।

VIII आकाशवाणी/दूरदर्शन के जरिए सूचना बुलेटिन

श्री अशोक एस कदम, क.मा.वै ने कृषि विस्तार में जनसंचार सहयोग के अधीन दूरदर्शन, मुम्बई की ग्रामीण सलाहकार समिति की 28 सिंतबर 2010 को दूरदर्शन केन्द्र, वर्ली, मुम्बई में हुई बैठक में भाग लिया।

XI प्रकाशन

भा मा स की निर्देशिका - 2010

मत्स्य किरन खंड - 3 [2010]

X प्रशासनिक समाचार

नियुक्ति

श्री राहुल कुमार टेलर को व.वैज्ञानिक सहायक के पद पर कोच्चि बेस में 7 अगस्त 2010 पूर्वान्ह से नियुक्त किया गया।

पदोन्नति

- श्री एस तलसपोर, मेट ग्रेड चेन्नई बेस को स्किप्पर के पद में पदोन्नति किया गया एवं चेन्नई में 11 अगस्त 2010 से तैनात किया गया।
- श्री बी एस.पान्डे, सेवा अभियंता इलेक्ट्रोनिक्स, कोच्चि बेस को एम.एम.ई के पद पर पदोन्नति कर 30 अगस्त 2010 से कोच्चि बेस में तैनात किया गया।
- श्री पी वी मैथ्यू, मेट ग्रेड मार्मुगोवा बेस को स्किप्पर के रूप में पदोन्नति कर 6 सिंतबर 2010 से मार्मुगोवा में तैनात किया गया।

सेवानिवृत्ति

- श्री सी एस कंथस्वामी, मुख्य अभियंता ग्रेड -I मार्मुगोवा बेस में 10 जुलाई 2010 को स्वैच्छिक रूप से सेवानिवृत्त हुए।
- श्री एम.वी.फ्रानसिस, स्लिप वे वर्कर, कोच्चि बेस [एम ई डी] में अधिवर्षिता पर 31 जुलाई 2010 को सेवानिवृत्त हुए।
- श्री एन डी जोशी, चौकीदार, मुम्बई बेस अधिवर्षिता पर 31 जुलाई 2010 को सेवानिवृत्त हुए।
- श्री पी.टी.राव,कार्यालय अधीक्षक,चेन्नई बेस 3 अगस्त 2010 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए।
- श्री ए.क्रिशवाल्ट, व.डेकहेन्ड. चेन्नई बेस स्वैच्छिक रूप से 3 अगस्त 2010 को सेवानिवृत्त हुए।
- श्री डी.इम्बराजन, , मेट ग्रेड - II चेन्नई बेस स्वैच्छिक रूप से 3 अगस्त 2010 को सेवानिवृत्त हुए।
- श्री ए.घोष, ग्रीसर ग्रेड -I, विशाखपट्टणम बेस अधिवर्षिता पर 31 अगस्त 2010 को सेवानिवृत्त हुए।
- श्रीमती सी.जे.चन्दनानी, कार्यालय अधीक्षक, भा मा स [मुख्यालय] अधिवर्षिता पर 30 सिंतबर 2010 को सेवानिवृत्त हुए।

स्थानांतरण/प्रतिनियुक्ति

- श्री एन उन्नीकृष्णन, क.मात्स्यिकी वैज्ञानिक को मार्मुगोवा बेस से कोच्चि बेस में 2 अगस्त 2010 से स्थानांतरित किया गया।
- श्री प्रभाकर राज, मात्स्यिकी वैज्ञानिक को एन.एफ.डी.बी. हैदराबाद में प्रतिनियुक्ति पर 30 सिंतबर 2010 को अपनी ड्यूटी से भारमुक्त किया गया।
- श्री के.जे.जॉज, स्किप्पर को मुम्बई बेस से कोच्चि बेस में 1 सिंतबर 2010 से स्थानांतरित किया गया।

संकलनकर्ता : डॉ. एस. के. द्विवेदी; हिन्दी अनुवादक : डॉ. एस. के. द्विवेदी; प्रकाशक : डॉ. के. विजयकुमारन, महानिदेशक : भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, भारत सरकार, कृषि, मंत्रायल, बोटावाला चेम्बर्स, सर पी. एम. रोड, मुम्बई - 400 001, तार : मीना, वेबसाईट : http://fsi.gov.in फैक्स : (022) 2270 2270, दूरभाष : 22617144 / 45 मुद्रक : ज्योती एन्टरप्राइझेस. दूरभाष : 2263 2173 / 2270 4558.